

नंदा पुल के निर्माण का कार्य 12 मार्च, 1968 को शुरू किया गया था।

दूरे पुल के लिये प्रायशः 13 एकड़ों में से 10 एकड़ों (प्रत्येक 4 कुर्छों वाला) में अभी तक केवल नीबो पर ही कार्य हो रहा है।

कुर्छों की 3274 फुट गोलाई बांध दी गई है जिससे से 2602 फुट गलाये गये हैं। 3 एकड़ के 4 कुर्छों के डाट लगा दिये गये हैं।

फरवरी, 1972 के अन्त तक समस्त भौतिक प्रगति लगभग 29 प्रतिशत नहीं जा सकती है।

Book Week

2929. SHRI NIHAR LASKAR : Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state :

(a) whether a 'Book Week' was observed throughout the country during March, 1972;

(b) how this Week was celebrated; and

(c) what efforts were made/are being made to foster reading habits among people ?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (PROF. S. NURUL HASAN) : (a) Yes, Sir. A 'Book Week' was observed from 18 to 24 March, 1972.

(b) The Book Week was noticed with a fairly extensive publicity campaign. The National Book Trust brought out a poster with the slogan 'A Good Book is a Good Friend' in Hindi and English and distributed it to all the important educational and other cultural institutions in the country for display during the Week. The Directors

of Public instruction and the Vice-Chancellors of Universities were requested to celebrate the Week by involving the educational institutions under their respective jurisdiction and arranging special programmes like debates, discussions and symposia on various aspects of writing, translating, printing, publishing and distribution of books. The Federation of publishers and Booksellers Associations in India allowed a special discount of 10% on books purchased during the Week. All stations of All India Radio and the Television Centre in Delhi broadcast special programmes aimed at fostering book-mindedness. The Posts and Telegraphs Department cancelled postal articles from the principal cities with the slogan of the Week

(c) The National Book Trust bring out books in well conceived series at reasonable prices, in order to attract attention of potential readers. They also organise periodical book fairs in different parts of the country and the main purpose of such fairs is to popularise books and thus promote reading habits among people.

One of the themes in the International Book Year is the fostering of reading habits. A National Committee has been set up to consider all the themes, including the fostering of reading habits and its recommendations are awaited.

केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों तथा बायाबर जातियों के कल्याण के लिये उत्तर प्रदेश को अनुदान दिया जाना

2930. श्री राम चूरत प्रसाद : क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1969 से 1971 तक प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित

जन-जातियों और यायावर जातियों के कल्याणार्थ योजनाओं के केन्द्रीय सरकार ने उत्तर प्रदेश को कितनी-कितनी धन-राशि दी;

(ख) क्या उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जनपद में मोती राम जनता इंटर कालेज, आतन्द मगद के प्रबन्धक व प्रधानाचार्य को, उत्तर प्रदेश सरकार के हरिजन कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 1969 में लगभग 30,000

रुपये की धन-राशि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति की छात्राओं के लिये छात्रावास बनवाने हेतु दी गई थी; और

(ग) यदि हां, तो क्या उस धन-राशि को छात्रावास बनवाने पर व्यय न करके उसका गबन कर लिया गया है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और सस्कृति मंत्री
(प्रो० एस्० नुरुल हसन) .

(क) पिछड़े वर्गों की श्रेणी

	केन्द्रीय क्षेत्र		
	1969-70	1970-71	1971-72
	(रूपये लाखों में)		
अनुसूचित आदिम जातियां	9.95	12.54	9.90
अनुसूचित जातियां	21.00	87.00	98.40
विमुक्त, खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश जातियां	12.00	15.75	15.75
	42.95	115.29	125.05

पिछड़े वर्गों की श्रेणी

	राज्य क्षेत्र		
	1969-70	1970-71	1971-72
	(रुपये लाखों में)		
अनुसूचित आदिम जातियां	16.81	16.00	29.46
अनुसूचित जातियां	41.19	53.00	159.37
अन्य पिछड़े वर्ग (विमुक्त, खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश जातियां भी शामिल हैं)	4.00	3.00	12.17
	62.00	72.00	201.00

(क) और (ग) सूचना राज्य सरकार के एकत्रित की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

फलों के उत्पादन को बढ़ाना

2931. श्री शिव कुमार शास्त्री : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या फलों के निर्यात को देखते हुए उत्पादन में वृद्धि करने के लिये सरकार कुछ विशेष प्रयत्न कर रही है; और

(ख) यदि हा, तो उसका व्योरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णा-साहिब पी० शिन्डे) : (क) जी हाँ।

(ख) अपेक्षित जानकारी संलग्न नोट में दी गई है।

विबरण

निर्यात किये जाने वाले महत्वपूर्ण फलों में केला, आम, अनन्नास तथा अखरोट शामिल हैं। फल की इन फसलों के विकास के लिए राज्य सरकारो ने अपने सामान्य क्रिया-कलाप के रूप में निम्नलिखित कदम उठाये हैं :

1. उच्चकोटि की पौध-रोपण सामग्री की साहाय्य सप्लाई करना।
2. बनस्पति-रक्षण रसायन तथा उपकरणों की सप्लाई करना।
3. ऋण की व्यवस्था करना।
4. प्रेरक प्रशासियों को भ्रमनाना।
5. प्रदर्शन करना।

2. केन्द्रीय क्षेत्र के निम्नलिखित योजनाओं के लिये स्वीकृति दे दी गई है,

जो कि चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान क्रियान्वित की जानी है :

परिचय (लाख रुपये में)

- | | |
|------------------------|-------|
| (i) केला उत्पादन विकास | 31.84 |
| (ii) केला विकास निगम | 40.00 |
| (iii) अखरोट का उत्पादन | 11.89 |

केला विकास योजना के अन्तर्गत पूर्वी तथा पश्चिमी घाट के प्रमुख बन्दरगाहों के समीप 12,000 हेक्टर क्षेत्र में केले का विकास करने का विचार है। इस योजना में तकनीकी सहायता तथा विस्तार सेवा, बनस्पति-रक्षण उपायों के लिये विशेष सहायता, विदेशी किस्मों का प्रदर्शन तथा मार्गदर्शी परीक्षणों की व्यवस्था है।

केला विकास निगम की स्थापना, केले के विपणन पर ध्यान देने तथा इसके निर्वाह को समर्थित करने के लिये की जा रही है।

अखरोट की योजना का मुख्य उद्देश्य जम्मू तथा कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश में अखरोट के उत्पादन का विकास करना है। अधिक उत्पादनशील किस्मों की पौध-रोपण सामग्री, उर्वरक एवं कीटनाशी प्रोषधि तथा बाड़ लगाने की सामग्री पर राज-सहायता देकर अखरोट के उत्पादन को बढ़ाने का विचार है।

3. आम तथा अनन्नास के विकास की विनिश्चय योजनाओं पर विचार किया जा रहा है।

Financial Assistance for Tubewell in Drought-affected Areas of Rajasthan

2932. SHRI N. K. SANGHI : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :